हिन्दी

(वसंत)(पाठ 17)(निर्मल वर्मा – बाज और साँप)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

शीर्षक और नायक

प्रश्न 1:
लेखक ने इस कहानी का शीर्षक कहानी के दो पात्रों के आधार पर रखा है। लेखक ने बाज और साँप को ही क्यों चुना? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर 1:
इस कहानी के द्वारा लेखक ने जिंदगी में कुछ नया करने वालों और जिंदगी को एक चुनौती माने वालों तथा जिंदगी में अपने भाग्य को ही सबकुछ मानने वालों की तुलना की है। एक ओर जहॉ सॉप अपनी गुफा में खुश है और उसको ही अपने जीवन की बड़ी उपलब्धि मानता है वहीं दूसरी ओर बाज है जो आसमान की उँचाइयों को लगातार छूना चाहता है । इसीलिए लेखक ने बाज और सापॅ को चुना।

कहानी से

प्रश्न 1:
घायल होने के बाद भी बाज ने यह क्यों कहा, मुझे कोई शिकायत नहीं है? विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर 1:
बाज ने अपने जीवन में आसमान की उँचाइयों को छुआ। जीवन को भरपूर जिया और अब जीवन के आखरी पड़ाव में घायल होने के बाद भी वह अपने जीवन से पूर्णतः संतुष्ट है। इसीलिए उसने कहा कि मुझे कोई शिकायत नहीं है।

प्रश्न 2:
बाज जिंदगी भर आकाश में ही उड़ता रहा फिर घायल होने के बाद भी वह उड़ना क्यों चाहता था?

उत्तर 2:
वह घायल होने के बाद भी इसलिए उड़ना चाहता था क्योंकि वह अपने जीवन का एक पल भी नष्ट नहीं करना चाहता था और अंतिम समय में एक बार फिर आकाश की उँचाइयों को छूना चाहता था।

प्रश्न 3:
साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था। फिर उसने उड़ने की कोशिश क्यों की?

उत्तर 3:
सॉप अपने आप को पूर्ण और संतुष्ट मानता था और उासमान में उड़ना मूखतापूर्ण मानता था फिर भी बाज के कहने पर उसने आसमान में उड़ने की कोशिश की और नीचे आ गिरा वह मरते–मरते बचा। उसे लगा कि बाज तो मूर्ख था मैं तो उसकी बातों में आकर मरते–मरते बचा हूॅं।

प्रश्न 4:
बाज के लिए लहरों ने गीत क्यों गाया था?
उत्तर 4:
बाज के लिए लिए लहरों ने गीत इसलिए गाया क्योंकि उसने अपने जीवन के आखरी क्षणों में भी पूरा उत्साह दिखाया था।

प्रश्न 5:
घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ होगा?
उत्तर 5:
सॉप और बाज दोनों ही परम शत्रु होते हैं बाज सापॅ को देखते ही खा जाता है । धायल बाज को देखकर सॉप इसलिए मुस्कुराया क्योंकि अब वह उसके लिए नुकसानदायक नहीं था।

कहानी से आगे

प्रश्न 1:
कहानी में से वे पंक्तियाँ चुनकर लिखिए जिनसे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती हो।
उत्तर 1:
बाज में एक नयी आशा जग उठी। वह दूने उत्साह से अपने घायल शरीर को घसीटता हुआ चट्टान के किनारे तक खींच लाया। खुले आकाश को देखकर उसकी आँखें चमक उठीं। उसने एक गहरी, लंबी साँस ली और अपने पंख फैलाकर हवा में कूद पड़ा।

प्रश्न 2:
लहरों का गीत सुनने के बाद साँप ने क्या सोचा होगा? क्या उसने फिर से उड़ने की कोशिश की होगी? अपनी कल्पना से आगे की कहानी पूरी कीजिए।
उत्तर 2:
लहरों का गीत सुनकर सॉप ने सोचा होगा कि बाज की बहादुरी से प्रसन्न होकर लहरों ने उसके लिए गीत गया है। मुझे भी कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे कि मेरे लिए भी गीत गाए जाएं। उसने उड़ने की कोशिश नहीं की होगी क्योंकि वह उसके लिए संभव नहीं है उसने अपने अनुसार अन्य कार्य को करने की योजना बनाई होगी।

प्रश्न 3:
क्या पक्षियों को उड़ते समय सचमुच आनंद का अनुभव होता होगा या स्वाभाविक कार्य में आनंद का अनुभव होता ही नहीं? विचार प्रकट कीजिए।
उत्तर 3:
पक्षियों का उड़ते समय आनंद की अनुभूति होती होगी क्योंकि वह तो उनके लिए स्वाभाविक कार्य है लेकिन यदि स्वभाविक कार्य भी उत्साह से किया जाए तों वह आनन्ददायक होता ही है।

प्रश्न 4:
मानव ने भी हमेशा पक्षियों की तरह उड़ने की इच्छा की है। आज मनुष्य उड़ने की इच्छा किन साधनों से पूरी करता है।

उत्तर 4:
मानव ने पक्षियों को उड़ते देखकर उनकी तरह ही उड़ने की इच्छा जाग्रत की होगी। तभी तो उसने अपनी इस इच्छा की पूर्ति के लिए हवाई जहाज का आविष्कार किया और उसी के द्वारा वह अपनी उड़ने की इच्छा की पूर्ति करने लगा।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:
यदि इस कहानी के पात्र बाज और साँप न होकर कोई और होते तब कहानी कैसी होती? अपनी कल्पना से लिखिए।

उत्तर 1:
कहानी में बाज और सॉप न होकर कोई अन्य पात्र होता तो कहानी उतनी प्रभावी नहीं होती क्योंकि इनके माध्यम से लेखक ने मानसिक सोच में अंन्तर दिखाया है जो कि बाज और सॉप के द्वारा ही संभव हे।

भाषा की बात

प्रश्न 1:
कहानी में से अपनी पसंद के पाँच मुहावरे चुनकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर 1:
- भॉप लेना – भारतीय फौज ने दुश्मन के इरादों को पहले ही भॉप लिया।
- हिम्मत बॉधना – सॉप ने घायल बाज की हिम्मत बॅधाई ।
- अंतिम सॉस लेना – घायल बाज अपनी अंतिम सॉसें लेने लगा ।
- प्राण हथेली पर रखना – सेना के जवान अपने प्राण हथेली पर लेकर चलते हैं ।
- मन में आशा जागना – सॉप के बार–बार कहने पर बाज के मन में भी आशा जाग गई।

प्रश्न 2:
'आरामदेह' शब्द में 'देह' प्रत्यय है। यहाँ 'देह' 'देनेवाला' के अर्थ में प्रयुक्त है। देनेवाला के अर्थ में 'द', 'प्रद', 'दाता', 'दाई' आदि का प्रयोग भी होता है, जैस–सुखद, सुखदाता, सुखदाई, सुखप्रद। उपर्युक्त समानार्थी प्रत्ययों को लेकर दो–दो शब्द बनाइए।

उत्तर 2:

प्रत्यय	शब्द
प्रद	हानिप्रद , लाभप्रद
दाता	अन्नदाता , प्राणदाता
दाई	सुखदाई , दुखदाई
द	दुखद , सुखद